

## भारतीय नरिवाचन व्यवस्था में सुधारों की समीक्षा

### भूमिका

भारत में स्वतंत्रता के बाद से ही लगातार नषिपक्ष पारदर्शी और सुरक्षति नरिवाचन प्रक्रिया पर बल दिया गया है। इस संदर्भ में अपनी दक्षता को उन्नत करने के लिये भारतीय नरिवाचन आयोग समय-समय पर वभिन्न सुधारवादी प्रयास करता रहा है।

### नरिवाचन व्यवस्था में सुधार एवं नवाचार के बढ़ते कदम

- मतदाता पहचान-पत्र की प्रामाणिकता को और भी अधिक पुख्ता बनाने के लिये नरिवाचन आयोग ने अपने सर्वर को प्रत्येक जिले के जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी रजिस्टर के सर्वर के साथ जोड़ने का नरिणय लिया है ताककिसी मतदाता का मृत्यु प्रमाण-पत्र जारी होने के साथ ही उसका नाम स्वतः ही मतदाता सूची से हट जाए। इस पहल को 'ई-जिला कार्यक्रम' के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में पंजाब राज्य में शुरू किया गया था।
- नरिवाचन आयोग अब ऐसी व्यवस्था भी शुरू करने जा रहा है जिससे सभी मतदाता केंद्र मतदाता के नवास स्थल से अधिकतम 2 कमी. की परधि में ही हों।

### ईवीएम एवं पारदर्शति

- नरिवाचन प्रक्रिया में पारदर्शति को बनाए रखने और मतदान के समय होने वाली तकनीकी गड़बड़ियों को समाप्त करने के लिये ईवीएम (Electronic Voting Machine) के माध्यम से मतदान का प्रचलन शुरू किया गया है।
- ईवीएम पारंपरिक मतदान पेट्टी प्रणाली की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षति है क्योंकि इसके साथ सहज छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। यदि इसमें कोई तकनीकी खराबी आती है तो खराब होने से पहले तक इसमें रिकॉर्ड किये गए वोट सुरक्षति रहते हैं और उनके लिये दोबारा मतदान की जरूरत नहीं पड़ती। साथ ही, ऐसी स्थतिके नवारण के लिये प्रत्येक मतदान केंद्र में एक अतरिकित ईवीएम की व्यवस्था रहती है।
- इसके अतरिकित, नरिवाचन आयोग ने वी.वी.पी.ए.टी. (Voter-Verified Paper Audit Trail) नामक तकनीक भी अपनाई है, जिसकी सहायता से मतदाता को यह जानकारी मलि जाती है क ईवीएम के माध्यम से दिया गया उसका मत वैध था या नहीं (इस तकनीक में मतदाता जैसे ही ईवीएम पर अपने चुनिदा चुनाव चहिन संबंधी बटन को दबाता है वैसे ही ईवीएम पर लगी स्लपि पर उससे संबंधित उम्मीदवार का नाम छप जाता है)। साथ ही, इसे रिकॉर्ड के रूप में मशीन में भी संचति कर लिया जाता है ताक अंतिम परणाम के बाद उत्पन्न कसि वाद-वविद की स्थतिके इसका प्रयोग प्रमाण के तौर पर किया जा सके।

### नोटा एक विकल्प

- ईवीएम में 'नोटा' (None Of The Above-NOTA) विकल्प की व्यवस्था भी की गई है; इस विकल्प को चुनने का तात्पर्य होगा क मतदाता को चुनाव के उम्मीदवारों में से कोई भी उम्मीदवार पसंद नहीं है। इस विकल्प का परोक्ष उद्देश्य यह है क सभी दल साफ-सुथरी छविवाले योग्य व कर्मठ उम्मीदवारों को ही चुनाव में उतारें।
- भारतीय नरिवाचन प्रणाली में 'नोटा' के असततिव से पूर्व भी उम्मीदवारों के प्रति अनचिछा जाहरि करने की व्यवस्था थी। तब ऐसा करने के लिये 'द कंडक्ट ऑफ इलेक्शनस रूलस, 1961' की धारा 49(O) के तहत मतदाता फार्म 17(1) में अपनी मतदाता संख्या अंकति करके नकारात्मक मत दे सकता था। पीठासीन अधिकारी इस फार्म को चहिनांकति कर उस पर मतदाता के हस्ताक्षर ले लेता था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने इस प्रावधान को असंवैधानिक घोषति कर दिया क्योंकि यह मतदाता की पहचान को सुरक्षति रखने में असमर्थ था।

### ड्रोन एवं अन्य तकनीक

- 2015 के बहार वधिान सभा चुनावों में नरिवाचन आयोग द्वारा मतदान की नगरिानी के लिये ड्रोन का इस्तेमाल, अनवासी भारतीयों के लिये सेमी इलेक्ट्रॉनिक वधिसे मतदान, मोबाइल फोन पर मतदाता केंद्र की अवस्थतिके जानकारी तथा महिलाओं की सहभागति सुनिश्चति करने के लिये पूरी तरह महिला पदाधिकारियों द्वारा प्रबंधति मतदान केंद्रों की व्यवस्था इत्यादि कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण नवाचार भी अपनाए गए।
- पारदर्शी और वशिवसनीय नरिवाचन के लिये सूचना प्रौद्योगिकि के महत्त्व को मद्देनजर रखते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त डॉ. नसीम जैदी ने 'ई-वजिन 2020' का वधिार प्रस्तुत किया है जिसमें कुछ प्राथमिकता वाले कषेत्रों में मोबाइल एप्लीकेशन, सोशल मीडिया, ज्ञान प्रबंधन आदि को शामिल किया गया है। इससे चुनाव संबंधी सूचनाओं और सेवाओं के तीव्र प्रसार में भी मदद मलिंगी।
- मतों की गणना को और भी अधिक तीव्र व सुरक्षति बनाने के लिये आयोग ने टोटलाइजर मशीन का उपयोग करने की मंशा भी व्यक्त की है।

## नषिकरष

भारत जैसे वृहद् लोकतांत्रिक देश में नषिपकष, पारदर्शी एवं सुरकषति नरिवाचन के संकल्प की पूर्ति में नरिवाचन आयोग लगातार परयासरत है। वभिन्न सुधारों एवं नवाचारों के माध्यम से यह अपनी कुशलता को बढ़ाने का हर संभव तरीका अपना रहा है। भारतीय नरिवाचन व्यवस्था वशिव की सफलतम नरिवाचन प्रणालियों में गनी जाती है। भवषिय में इससे बेहतर स्थिति के नरिमाण में ये सुधारात्मक कदम नश्चिति ही कारगर सदिध होंगे। इसके अलावा, वधानसभाओं, लोक सभा एवं स्थानीय चुनाव एक साथ करवाने, वटर को दयि गए वोट की सलपि उपलब्ध करवाने, चुनावों में राज्य द्वारा फंडगि, सूचना तकनीकी एवं अन्य तकनीकियों के प्रयोग आदिकिल्पो पर चर्चा लगातार जारी है ताकबिदलते समय के अनुरूप नरिवाचन व्यवस्था को प्रासंगकि बनाया जा सके।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/review-of-reforms-in-the-indian-electoral-system>

